

2840

ASNA ARCHIVES

मङ्गलिनन्दनं दाथं धनीयाः कमलकलिकाः अद्वयवालि
 रुद्रमलकगिकुधनत्रिगुणाः वामखर्दी गकयात्रधना
 नाश्रुमाश्रीमन्त्रनाया वाचुलिगुम्फरुगात्रिभामात्रपि
 लेः वायवित्रः मायासासुवदुम्फडासिद्धि त्रिभामा १ ॥
 याश्रुवुम्फमृद्वामरुधधनियोः उनत्रमित्तमात्रा २

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

नीलदुत्रिकलाहिककनकारुवचडमूरवः अगि विक
 नावज्जधना ॥ २ ॥ आलिंधपुयाहैत्रवचापयियात्रः का
 मिनात्रिविबुम्फडा ॥ २ विश्वकुलिग अद्वयवदुम्फडा युक्त
 वायुवर्माषठमूडा ॥ ३ ॥ च्छुक्तिरीवित्रवीत्रधनभयक
 त्रिनिवकुमहावित्रवात्रा १ कनूतगं गभत्रः विल्वविल्व
 धनदुम्फयिसयात्रसीसात्रधनाश्रु ॥ ४ ॥ नगालि

ॐ नमः

४॥ विषय विषय विनयव नमः या लः कृत वि।
चन्द्रा मिना रि कमल रद ह यि जिन वृग मिश्र जयि सून म
जज नि निजा हा सम यः स्था म स य न ॥ ५ ॥ नमः म ऊ द्या
खं काल चकः रुव ज सवन विश्व नूयं र वयि य इम सै या ल्य
सै रुव निश्च ना स सजः ज्ञानं द म यः स्नान नूयं ॥ १ ॥ वज्र पर्य
क शन कू कू मान् ल गन् नः नाम स गी नि ॥ ७ ॥ का ल्य ध्यानं र जग

विषय विषय विनयव नमः या लः कृत वि।
चन्द्रा मिना रि कमल रद ह यि जिन वृग मिश्र जयि सून म
जज नि निजा हा सम यः स्था म स य न ॥ ५ ॥ नमः म ऊ द्या
खं काल चकः रुव ज सवन विश्व नूयं र वयि य इम सै या ल्य
सै रुव निश्च ना स सजः ज्ञानं द म यः स्नान नूयं ॥ १ ॥ वज्र पर्य
क शन कू कू मान् ल गन् नः नाम स गी नि ॥ ७ ॥ का ल्य ध्यानं र जग

॥ अदिनिर्दसगुनवोमानुत्राहः कादिगललक ॥
उमममनरयवंधनकादिगलरयमानुनियसंदावे ॥

॥ वागमयिग ॥ अनूकमगथागमः वंकागलावमनयय विनिग
विनिगकलसं ॥ ॐ ॥ कावकागममदकः सयसंसाधिगनाम
गयं ॥ ॥ चदामुष्टनसवाधिदमदायकंसमडिनयायिगसुरुसकन
सं ॥ उगगमकुलविगमुनकननाः वरुमममनाडनविनसुयं ॥

वडयममानुमयः गन्धाम्भस्यकाभंखल विनयययियसयदकाजमंनु
यन्धमत्रावधवडसंखयिगविचकलसं ॥ ॥ दममकुमत्रगययय
लवंगुरुकुमडाकिनिजमत्रयं ॥ साठिगिसंधात्रनदवगाव ॥ कानस
लमानिजकित्रसं ॥ ॥ यायाकिआचमनंदानययसहनंसमय
वकुंयहागिगविमलकलसं ॥ मलनागदवागुयवाधिविकनयंसमय
लंरुनयउपकीरुगं ॥ ॥ ॐ ॥ वागमयिग ॥ नकवधुविनि

अत्रानात्रस्मिन्नाद्याना॥

ॐ ॥ ॥ लि जय विष्णुयकायगिम् स्व पि न वः य न म्मा ॐ नैव मः

प्रतिधना विख्यवजः पूर्यचन्द्रकणमकूटधनीः हाकग्रहमनसहस्रं

॥ वडयश्च गङ्गा चर्मिलमन्त्रव्याहः विनमा ज्ञानन्दमूर्तिवन्ना ॥

कनटिकयानयनशूयागलिश्वरवृक्षमित्रयत्राः व्याघ्रवर्मकन्धिर्यधि

मा॥ ॥ दिगविदिगंकाकास्यादिऊमणकिनीरुवीः सहजानंयम

नूनिधनान्नमासिद्वीयकसंवत्सः सप्तगुरुवर्षमर्जोर्जोधीय

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वात्रिलेहसा गुग्गुलावात्रकः मन्त्रि यामसान् सकृदहंसा दिगंशकः

॥ त्रैलोक्यमात्रं सम्यग्ज्ञानं ॥

बोहिनीः वज्रवा नाहिः रुद्रा मदि या यमात्र देवा ॥

यनः लभस्व रुतयनः कर्तुं नरुव सिगवा रा उवाय न विवाय

दाः सन्मलुनरु निना ॥ ॥ गिरा भव राह ॥

॥ अथ यथवृत्तवर्णः कादिराजः सुखः ॥

ॐ
ॐ
ॐ

ययिसुयिञ्च नृहका जा रहसदिनादि निःवकजागादिः नृकाविहरे
स्वममिञ्च जा ॥ गगर्जनाजिह्वावकः जा निराउत्रकजाः सुगह
नृवजनञ्च जाय नृसमयाञ्जनंदः दृष्टिग्यजामलु लाः सुयजनवकवाना
दि ॥ ॥ **गगर्जनाजिह्वावकः** ॥ शिहनायाययिडा गीनीदहवा
वाजिदकमजकालिसुदनकहं वियात्र ॥ ॥ जागिनिगुकाविह
स्वनहनडि वयि **गगर्जनाजिह्वावकः** कसमसंविदयि ॥ ॥

ॐ
ॐ
ॐ

यहंका गीनीत्रयनजायि **गगर्जनाजिह्वावकः** लवहियात्रः डागियानसमान ॥
॥ सासुहयलेयालेकं वियवाजा **गगर्जनाजिह्वावकः** दयिवनरजाका ॥
रनयीग्वदाजिहमकं दृष्टुविगात्रनयना जिमासउरयड वियात्र ॥
॥ **गगर्जनाजिह्वावकः** ॥ विविहविहन्लमात्र विसरि
वदनरदवञ्चरुजगलुवनहुकु कन ॥ ॥ नावयिजनमा मि
धीसुयत्र विगात्रवकक गिनीत्र जिमात्रसरुसुग गा ना ॥ ॥

वात्रादिआत्रिंशलक (१२५) निरसविमलसममरसंविना॥
 लाकदहनविष्णुमासहृत्कृत् २ कत्रुल्लवायारिस्वमे॥ ॥ द्वाजय
 ज्वात्रिभयउवदन २ निभसंहावागगल्लुइत्रिगा॥ ॥ २२३३३३
 ॥ **त्रागकामाद** ॥ अत्रनिनिदिगजान्त्रिभसमदहा २ ककत्रनिनय ॥
 रिस्वमयदना॥ ॥ गनाहं हं गनाहं हं २ हं हं हं जातश्रयको
 यमाया॥ ॥ निविधिभयनइ किः खरिगमह २ यामयभ्रमि

विरुवननाथा॥ ॥ रुत्रिभयवक्त्रा २ २ उसा लारमात्रविष्णुइमि
 सुगुरयद्वज ॥ ॥ विविधिभलमीगीः नंकगदहा २ उगगविवादि
 गवत्ररुनकायक॥ ॥ २२३३३३ ॥ **त्रागमधूमत** ॥ ऊयवाह्विः रुन
 वयनने २ सुयनसू गार्जः उगगेउवात्रनी॥ ॥ गनरुगवगिया
 इकतलमदिमलुलः नडापूत्रननका गा २ दाद आरुनविशुइति
 गमयवयसुउलात्राः निनिनिनिनिनय निनिनिनिनिनय नि

निर्जुनः ॥

नाः गायस्त्रीं स्थग्यु वज्र विना ॥

॥ वाग्विना ॥

निर्जुनः कथं वदन्तु गुरुना या ॥ श्री कृष्ण गमनः ॥ नीयति ॥

॥ आनंदादिदवायुः त्रिआनंदादिदवा ॥ यः प्रतापकिरु

गुरुमनसा संयुक्तः ॥ युक्तसिगदिरुत्तु निजयुवहृदं ॥

सर्वत्रिजुनैः शिवयिसंगार्कः ॥ श्रीडादियाने कृष्णयिव

डालि ॥ गोकुलमहाकिर्तनवाङ्मयः ॥ ॥ आत्रिकात्रिः

यिगालवचनं ॥ वचनं उडा गिनीर्मगत्र गितं ॥

॥ ययिस्ति यिः

द्विनिः प्रवृत्तः किं ॥ किं दंगिकमलक लिखवाङ्मयः ॥

यस्य लिखालिः यः त्रिवगात्रि ॥ लयनवडसमद्वयवा ॥

ॐ

॥ अगमवदन्ता ॥ यद्विकृष्टुत्रक श्रिनायकः मयवत्रु स्वि

तः गीवावृद्धनन सिनमागा ॥ सिनवकिच कित्रेया रुसविदुदि

तः गगनयकादिवधु त्रिआया ॥

॥ यदुसमिदं नूडानमावृद्ध

विकृष्टुत्रः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ १ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ २ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ ३ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ ४ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ ५ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ ६ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ ७ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ ८ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ ९ ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥
 ॥ १० ॥ अथ श्रीमद्भागवतस्य प्रथमोऽध्यायः ॥

॥ ॐ ॥
 स्वस्त्यस्तु ॥ जगत्संसारं ॥ यन्मासि अद्य वा ॥ त्रि ॥
 ॥ जगत्संसारं ॥ विभुवनं कश्चिन्मन्त्रं ॥ त्रि ॥
 ॥ नाशयिष्ये कुरुते ॥ त्रि ॥
 ॥ वरु विदुष्ये स ॥
 ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥

नमामि ॥ दिनधर्मस्य गुणस्य ॥ विष्णुवर्णस्य च ॥
 धनुवागिह्वरा ॥ ॥ नमामि ॥ दिनधर्मस्य दिननमो ॥ दधुमिह्वरा ॥
 विष्णुवर्णस्य च ॥ ॥ धर्मस्य ध्यानाय नमो ॥ ध्यानाय नमो ॥
 नित्याय नमो ॥ नित्याय नमो ॥ ॥ ध्यानाय नमो ॥ ध्यानाय नमो ॥
 नमो ॥ दधुमिह्वरा ॥ दधुमिह्वरा ॥ ॥ ध्यानाय नमो ॥ ध्यानाय नमो ॥
 दधुमिह्वरा ॥ दधुमिह्वरा ॥ ॥ ध्यानाय नमो ॥ ध्यानाय नमो ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो नमः ॥

वेदिआनि॥

नदिगदवी **१** दाकिनिदिपिनीयड सिर्वं वाङ्मनी ॥

शुभमत्रदिर्मलुवरुजनगुदवी **१** गिनिनययिद्वज्जायाजा ॥

दत्रिद्वज्जाया **१** शुभमत्रग **१** धादभजागिनीसमजंसंलया ॥

॥ **ॐ** ॥ **नागवर्षक** ॥ मधुत्रियनियनाद्वयनिक **१** सुकद

यः वंदितयादं ॥ ॥ मेगीआदिवड्डीमरुक्रमाना **१** सुभमत्रिर्वे

नियमनिलयस्वजा ॥ ॥ कंकमनूयिनाहुत्रदिनविस्वमा **१** ॥

सर्वत्रिय ॥ १ ॥

समष्टुनूयत्रस्माविन्दुआत्राध **१** गभडाकिमडागीमयुवुलकुलि **१** ॥
गहिरकनूयविहाना ॥ ॥ विश्वयविश्वययाजगमनसा **१** वि

स्वयियायिमशीयंगुनूखयंगु ॥ **ॐ** ॥ **नागवर्षक** ॥

नमामि **१** दिनधनुकजंदकचनुमरुनिआत्रिगिमा **१** यंचरुन

यंचधनुस्वययाः यद्वधर्मआत्रयस्वरा ॥ ॥ गनाहं हं गनाहं

हं ॥ १ ॥ गगनसीसाजडधनीयामनारुजः नमस्तु नमस्तु यंचदिन्यस्वजा ॥

॥ नमामि **१** श्रीमामियत्रस्वत्राधि सिद्धिवनदायनि **१** ॥ १ ॥

नमामि दिनधनु ॥ १ ॥

विश्वनाथः॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ मा गिया विद्यु मा गिया कय मा गिया इह विना सन १ मा गिया साः
 त्रामा न सं वा सा भ नू व य स इ ह व ना सं न ॥ ॥ य न गु वा ना क भ व ड
 स्व भ रि लि ग या न द दिन क न १ म स न ध न ह ला ह स्व र्य न क न नि क
 वा स्य ॥ ॥ वि वि ग व स क नू क रि य सा ड ड ह क म नि र्म दी ना १
 न म्वा द न ग न धि ग न म्वा द न स र्वाः या य न मि त्रि मि त्रि वा डं न ॥
 ॥ ग ल्ना ग न धि ग न त्वा क वि ना म र्दिव क म् स्व न् वि भुं द न १ दि ना

॥ दिन उ न ग न य नि ॥

द ल्वा ग म स र्वा द ना न मा सु १ ग ल्ना धि य नी ॥ ॥ १ ॥ १
 ग न म क मि ॥ दिन न ग न य निः शु व न शी का या ग कः नि वा स न स रि
 दिन म् नि ना १ न या न म ल्मा म्वा ॥ मि ह म कि व न ड ग न ना थ न् र य द
 ना ॥ ॥ शि डा ग मि ग रि या न नू व ना न या न द वः पु न मा मि वू ग
 म न लो क म्वा न द व १ सि ध ह गि व धू द ग य मि क म न्वा य शु व य मि वू द
 म नि न न द द वा ॥ ॥ ना शि क म न का सि न वा धि या नः वा म क न

यत्र हा **॥** गुणसमर्पणं नागकस्तकः कात्रिदद्वयहयद्वयना ॥

॥ हूं हूं रगवनि काया रगवनिः नमामि श्रीवृगमल नाकस्थ

नकवा **॥** नमामि **॥** श्रीनर्मददवः स्वमिधयागनदव ॥ ॥ दहा

शुमिधा विष्णुनक्रनना आनूगगवजतमि नधना **॥** श्रीगुमिगाह

वसिष्ठगगधनीयाः श्रीलायस्व नसुत्रनागनि ॥ ॥ **॥** ॥ **॥**

॥ गवनादि ॥ हागगगहाथनागमगुलनाकाटिरुस्थनागद **॥**

(श्रीगहाग ॥ ३३)

ददकाटिरुस्थनागः आगिनीवृंदयात्रः वास्वविगद्वयदहा ॥

उं कालमगुलनाः रुत्रिनात्र आगिनिवृंदयात्र **॥** वज्रधनस्रिद

॥ श्रीगालिगमवास्वसकत्रसमाधि ॥ ॥ पूर्ववकविद्वियात्रद्वि

नत्रलेविद्वलियात्र **॥** यद्विमयमः युकासत्रडरुत्रव्वेगीधत्रियात्र ॥

॥ सयगद्वगद्वनाकाः निसिखयंकात्रिया **॥** कायवाकविर्हमगुलना

ऊः रुलियात्रगगलकद्वन्य ॥

॥ नूयसत्रयगंधर्वनस्ययनः ॥ रगमी

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

॥ नमो ॥

नथनयूयवन्धगगयवसिनी॥

देना नसकने त्रिद्वि सिद्धि दहि ममागा ॥

॥ उग्रं गारुज नक्षी त्रिगन नूखल २०० ॥

॥ उगमनूयं यथा गुणदयी २३

॥ गकनयनविनिग्रहमात्रादयः ॥

॥ व्याख्यारम्भस्तु प्रत्यात्रिदा १ इदं

॥ ॐ ॥ राग रस ॥ विदुः कसल वनक

। मिना ~~र~~ छी विनूया कृण्वे मूहद वीम

॥ नमोऽस्मिन्नेगमाः प्रियु वनमा वः वः

श्रुताः स्रजवदितचजनः अननगनिद्विदिशि

॥ नंदनयः प्रमिः वर्यं दनमयः वः अनमयः समयाः

जागयन नृसुगंमः असमवासासा ॥ १ ॥ अनेगानिधरु कवेचन
 ॥ ॥ अरु रेत्रवः अरु हागिनीकवीः अनेगदवाधरु अरुयया ॥
 अरुसहायः इजिमनिवात्रनिः अनेगविधुनिवात्रनिः ॥
 विरविवायिगः गात्रुनिदवी अरुयनित्रंज नहमिसयं ॥ अरुहस्य
 कसुखरु सः कायनिद विः इजमकुजसुखं सुपायसगगनि ॥
 ॥ ॥ अरुगोत्रवी ॥ अरुसुगयामदिमं दिगयुवनेः धमित्रसाज

गोत्राग ॥ गगनसिधनः गगनसुगंमः गगनसुगंमः गगनसुगंमः
 यन्त्रियात्र ॥ ॥ हं हं नमः मिययं अकिनीययं इगमिः कामकादि
 नीगात्रनः इगइयगं ॥ ॥ यत्र उरुत्रयदिमदक्रिनयगुयुवनः
 यियनमात्रविधु इवदि याम काकिनीदियिनीचउ सिदवाङनीः या
 नमवडसंगवैसदने ॥ ॥ सिधिनियायिनिडसूकडलाकिनी
 यत्तागयनम अरुगारुह वडजाकिनीयवमात्रकाकिनीरुड

ॐ
ॐ
ॐ

किंगवः रय मा नू अनियसीदा व॥ ॐ ॥ **नागनाम** ॥ नकवर्क
ठिनिसायनः सुन्द लिश्वर्यौद गहजः पुह्ननल किनला ॥ ॐ ॥ नू
य वीवानूनिः माम किद वीश्वगगनयमादिनः मयन सुनीला
॥ ॐ ॥ आगम वेदयूनालः वषाह रया गधमीदिक्का गुनू उय द
हा ॥ ॐ ॥ यकवृद्धस्वनूयः कअतुम्भ २ स्यावयागिनी सा म ह
नू वं तु हनूडा ॥ ॐ ॥ सन गुनू वनला जि न्य गगधत्रिया २ हनयि

वा कवठः सुनू नूयि ॥ ॐ ॥ **नागनाम** ॥ नमः ॐ अकाव नूय
धनू २ सव नू विसले उसा धनू ॥ ॐ ॥ नना ॐ ॐ २ नना नग ॐ ॐ ॐ ॥
॥ ददाया लिंग नः याग धनू २ वज्रय नू मडा धनू ॥ १ ॥ धव
न स नू खन दह धनू २ सन दह नू हिय च नू मनू ॥ २ ॥ माया
दह नील जंगु र सा हिय कनू न स लम ह ॥ ॐ ॥ **नागनाम**
॥ नूय कनू वि न गिम लुल मायः सि नि नू न नू निधनार
वज्रवा वना हि या लिंग ल सन नाः ना नान सि म हाः ह न ॥ ॐ ॥

